



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, १६ जून, १९९०/२६ ज्युलै, १९९२

हिमाचल प्रदेश सरकार

राजस्व विभाग

अधिसूचना

शिमला-२, २७ मार्च, १९९०

संख्या राजस्व-२ए (३) ४/७६-भाग-२.—हिमाचल प्रदेश विपदग्रस्त व्यक्ति (ऋण सुविधा) संशोधन नियम, १९८६ का प्रारूप, हिमाचल प्रदेश डिस्ट्रिक्ट परसनज (फैसिलिटीज फार लॉन्ग) ऐक्ट, १९७६ (१९७६ का १८) की धारा ६ की उप-धारा (१) की अपेक्षा अनुसार अधिसूचना संख्या २ क (३)-४/७६, तारीख ३० जून, १९८९ द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) के तारीख २ दिसम्बर, १९८९ में प्रकाशित किया गया था, उन सभी व्यक्तियों से जिनकी इनसे प्रभावित होने की सम्भावना थी, आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे;

और नियत अवधि के भीतर कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ था;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश डिस्ट्रिक्ट परसनज (फैसिलिटीज फार लॉन्ग) ऐक्ट, १९७६ (१९७६ का १८) की धारा ६ की उप-धारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश विपद-ग्रस्त व्यक्ति (ऋण सुविधा) नियम, १९८४ में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विपदग्रस्त व्यक्ति (ऋण सुविधा) (संशोधन) नियम, १९९० है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 5 का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश विपदग्रस्त व्यक्ति (ऋण सुविधा) नियम, 1984 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् तथा उक्त नियम कहा गया है के नियम 5 में “तहसीलदार” शब्द के पश्चात् और “समुचित” शब्द से पूर्व “पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर” शब्द अन्तः स्थापित किये जाएंगे।

3. नियम 6 का संशोधन.—उपर्युक्त नियमों के नियम 6 के उप-नियम (1) में “भेजा गया है” शब्दों के पश्चात् और “यह देखगा” शब्द से पूर्व “दस दिन की अवधि के भीतर” शब्द और चिन्ह अन्तः स्थापित किये जाएंगे।

4. नियम 7 का संशोधन.—उपर्युक्त नियमों के नियम 7 में,—

(i) उप-नियम (1) में “प्राधिकारी” शब्द के पश्चात् और “स्वीकृत” शब्द से पूर्व “तुरन्त” शब्द और चिन्ह अन्तः स्थापित किये जाएंगे; और

(ii) उप-नियम (2) में “और” शब्द के पश्चात् पांच दिन की अवधि के भीतर, “—” शब्द और चिन्ह जोड़े जाएंगे।

5. नियम 9 का संशोधन.—उपर्युक्त नियमों के नियम 9 के उप-नियम (1) में “राज्य सहकारी बैंक द्वारा मंजूर किए गए ऋणों के लिए विहित दर पर” शब्दों के स्थान पर “उन्हीं दरों पर जो समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा विपदग्रस्त कृषकों को दिए गए ऋणों के सम्बन्ध में विहित की जाए”, शब्द और चिन्ह प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

6. नियम 11 का संशोधन.—उपर्युक्त नियमों के नियम (11) के उप-नियम (2) में “छः” शब्द के स्थान पर “बारह” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

आदेश द्वारा,
एम0 एस0 मुखर्जी,
सचिव।

[Authoritative English text of notification No. Rev. 2 A (3)4/76, dated 27-3-1990 is hereby published under Article 348 (3) of the Constitution of India].

REVENUE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 27th March, 1990

No. Rev. 2A (3)-4/76.—Whereas the draft amendments rules entitled the Himachal Pradesh Distressed Persons (Facilities for Loans) Rules, 1986, as required under section 6 of the Himachal Pradesh Distressed Persons (Facilities for Loans) Act, 1976 (Act No. 18 of 1976) were published in the Himachal Pradesh Rajpatra (Extra ordinary), dated the 2nd December, 1989 vide Notification No. Rev. 2A(3)-4/76, dated the 30th June, 1989 for inviting objections and suggestions from the persons likely to be affected thereby;

And whereas no objection or suggestions were received within the stipulated period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Himachal Pradesh Distressed Persons (Facilities for Loans) Act, 1976 (Act No. 18 of 1976), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh Distressed Persons (Facilities for Loans) Rules, 1984, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Distressed Persons (Facilities for Loans) (Amendment) Rules, 1990.

(2) These shall come into force at once.

2. *Amendment of rule 5.*—In rule 5 of the Himachal Pradesh Distressed Persons (Facilities for Loans) Rules, 1984 (hereinafter called the “said rules”) the signs and words “within a period of fifteen days from the date of receipt of application under rule 4” shall be inserted after the word “concerned” and before the sign “.”.

3. *Amendment of rule 6.*—In sub-rule (1) of rule 6 of the said rules, the sign and words, “within a period of ten days from the date of receipt of the recommendations” shall be inserted after the word “may” and before the sign:—”.

4. *Amendment of rule 7.*—In rule 7 of the said rules,—

- (i) in sub-rule (1), the signs and words, “at once,” shall be inserted between the words “shall” and “send”, ; and
- (ii) in sub-rule (2), the signs and words, “shall, within a period of five days”, shall be inserted after the word “and” and before the sign “—”.

5. *Amendments of rule 9.*—For the words “rates prescribed by the State Co-operative Bank for loans granted by it” occurring in sub-rule (1) of rule 9 of the said rules, the words “same rates as are prescribed from time to time by the State Government in relation to the loans advanced to the Agriculturists in distress”, shall be substituted.

6. *Amendments of rule 11.*—For the word “six” occurring in sub-rule (2) of rule 11 of the said rules, the word “twelve”, shall be substituted.

By order,
M. S. MUKHERJEE,
Secretary.

**OFFICE OF THE LAND ACQUISITION COLLECTOR DALHOUSIE
SUB-DIVISION DALHOUSIE, DISTRICT CHAMBA (H. P.)**

NOTIFICATION

Dalhousie, the 2nd April, 1990

No. Dlu-Rev./90-1101.—Whereas possession of the under mentioned land/immovable property is to be taken for public purpose by the Central Government Cabinet Secretariat at public expenses as per Himachal Pradesh Government Notification issued by the Financial Commissioner-cum-Secretary (Home) to the Government of Himachal Pradesh Shimla vide No. Home (A) (1)-1/89, dated 28-8-89 under section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 and also invoking urgency clause under section 17(1) of the Act *ibid* published in Indian Express dated 15-10-1989.

All persons interested in the said land/immovable property are hereby called upon to personally or through agent at Dalhousie in the Office of the undersigned within 15 days after publication of notice to state the nature of their respective interest in the land/immovable property in question and the amount and particulars of their claims to compensation for such interest.

This notification is issued under section 9 (1) of the Act *ibid.*

SPECIFICATION

District 1	Sub-Division 2	Rev-Estate 3	Hadbast No. 4	Khasra No. 5	Area in Hec. 6
Chamba	Dalhousie	Moti-Tibba	346/3	1207	0 07 61
				1208	0 00 63
				1227	0 03 57
				1228	0 03 39
				1233	0 01 81
				1234	0 00 71
				1235	0 01 27
				1238	0 00 12
				1239	0 05 00
				1240	0 00 40
				1241	0 01 20
				1242	0 00 03
				1243	0 02 96
				1244	0 01 29
				1245	0 00 26
				1246	0 00 52
				1247	0 00 28
				1248	0 00 54
				1249	0 00 28
				1250	0 03 41
		Kittas	..	20	0 32 30

Sd/-
Collector,
Land Acquisition, Dalhousie.

स्थानीय स्वायत्त स्वशासन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 22 मई, 1990

संख्या एल0एस0जी0ए (3)-6/88. —हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 (1968 का 19) की धारा 213 के साथ पठित धारा 198 (टी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नगरपालिका, कुल्लू, जिला कुल्लू द्वारा बनाई गई निम्नलिखित उप-विधियाँ प्रारूप हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा उपर्युक्त अधिनियम की धारा 215 के अधीन यथाअपेक्षित अनुमोदन किए जाने के पश्चात, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है और ये नगरपालिका कुल्लू के अधीन क्षेत्र में इस अधिसूचना के हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होगी, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम.—(1) इन उप-विधियों का संक्षिप्त नाम नगरपालिका कुल्लू “हथगाड़ी” से परिवहन अथवा फेरी लगा कर सामान बेचने के लिए नियोजित हथगाड़ी (रेड़ी) उप-विधि, 1990 है।

2. परिभाषाएं.—इन उप-विधियों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

(1) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 अभिप्रेत है।

- (2) "समिति" से नगरपालिका, कुल्लू अभिप्रेत है।
- (3) "सचिव" से नगरपालिका कुल्लू का सचिव अभिप्रेत है।
- (4) हथगाड़ी से परिवहन या फेरी लगा कर वस्तुएं बेचने के लिए नियोजित हथगाड़ी वार्डसिकल, या ट्राईसिकल अभिप्रेत है।

3. अनुज्ञप्ति प्राप्त करना.—कोई भी व्यक्ति समिति की सीमा के भीतर परिवहन अथवा फेरी लगा कर सामान बेचने के लिए ऐसी हथगाड़ी, नियोजित नहीं करेगा जिसके लिए समिति स अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं की गई है।

4. हथगाड़ी प्रतिषेध करने का अधिकार.—समिति के किसी भी क्षेत्र के भीतर किसी भी प्रकार की हथगाड़ी के प्रयोग का प्रतिषेध करने का अधिकार समिति के पास आरक्षित होगा।

5. अनुज्ञप्ति जारी करना.—हथगाड़ी के लिए अनुज्ञप्ति सचिव समिति (जिसे इस में इससे पश्चात् अनुज्ञापन प्राधिकारी कहा गया है द्वारा जारी की जाएगी। अनुज्ञप्ति जारी करते समय, समिति का सचिव अनुज्ञप्तिधारी को 3/- रुपये के मूल्य पर, एक संख्यांक प्लेट जारी करेगा। संख्यांक प्लेट गाड़ी के किसी सहजदृश्य स्थान पर लगाई जाएगी। किसी भी संख्यांक प्लेट का गुम हो जाने पर, अनुज्ञप्तिधारी, तुरन्त समिति के सचिव को सूचित करेगा और 3 रुपये विहित प्रभार पर दूसरी संख्यांक प्लेट प्राप्त करेगा।

टिप्पणी :—'5 × 3' से अधिक परिमाण की हथगाड़ी के लिए अनुज्ञप्ति जारी नहीं की जाएगी।

6. अनुज्ञप्ति की शर्तें.—उप-नियम 5 के अधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति निम्न शर्तों के अध्वधीन होगी:—

- (क) वह हथगाड़ी जिसके लिए अनुज्ञप्ति जारी की गई है संख्यांक प्लेट के बिना प्रयोग नहीं की जाएगी। संख्यांक प्लेट हथगाड़ी पर लगानी होगी और विरूपित अथवा भद्दी नहीं की जाएगी।
- (ख) किसी हथगाड़ी को अनुज्ञप्ति धारक किसी भी स्थान पर स्थायी रूप से खड़ा नहीं रखेगा बल्कि इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलती, फिरती रखेगा।
- (ग) हथगाड़ी अनुज्ञापन प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार साफ-सुथरी और उचित दशा में रखी जाएगी। हथगाड़ी का प्रभारी भी स्वयं को साफ-सुथरा रखेगा। शारीरिक रूप से अयोग्य व्यक्ति को गाड़ी चलाने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि स्वास्थ्य अधिकारी उसको शारीरिक रूप में योग्य घोषित न कर देगा।
- (घ) हथगाड़ी पर बिक्री के लिए रखी गई खाली वस्तुओं को साफ व बन्द बर्तनों/पात्रों में रखा जाएगा ताकि वस्तुएं मक्खियों आदि से सुरक्षित रह सकें।
- (ङ) समिति द्वारा प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारी द्वारा जब भी निर्देश दिया जाये हथगाड़ी को समिति के कार्यालय या निरीक्षण के लिए नियत किसी अन्य स्थान पर ले जाया जाएगा।
- (च) रात्रि के समय हथगाड़ी की प्रकाश प्रकाश (लाईट) के बिना नहीं चलाया जाएगा।
- (छ) अनुज्ञप्तिधारी यातायात के सभी नियमों और अनुज्ञापन प्राधिकारी अथवा समिति द्वारा जारी किए गए अन्य आदेशों का पालन करेगा।
- (ज) अनुज्ञप्तिधारी गाड़ी पर काम-धंधा करते समय अनुज्ञप्ति अपने पास रखेगा और सचिव अथवा समिति के सदस्य अथवा समिति द्वारा निरीक्षण के लिए प्राधिकृत अन्य अधिकारी के मांगने पर पेश करेगा।
- (झ) सामान ढोने के लिए प्रयोग की जाने वाली हथगाड़ी पर समिति द्वारा विहित वजन से अधिक भार नहीं डाला जाएगा।

7. अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण.—अनुज्ञप्ति को नवीनीकरण के लिए प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को या उससे पूर्व समिति के कार्यालय में जमा कराया जाएगा।

8. अनुज्ञप्ति का हस्तांतरण.—(क) अनुज्ञप्त हथगाड़ी के दूसरे व्यक्ति को हस्तांतरण की स्थिति में अनुज्ञप्ति-धारी एक सप्ताह की अवधि के भीतर सविधि को सूचित करेगा जिस पर अन्तरिती की विशिष्टियों का अभिलेख अनुज्ञप्ति पर किया जाएगा।

(ख) अनुज्ञप्ति की शर्तों के लिए मूल अनुज्ञप्तिधारी ही उत्तरदायी होगा, जब तक कि अनुज्ञप्ति का हस्तांतरण अन्तरिती को नहीं कर दिया जाता।

9. समिति संख्या में अनुज्ञप्तियां प्रदान किया जाना.—वर्ष में हथगाड़ियों की समिति संख्या अनुज्ञप्ति की जाएगी। अनुज्ञप्ति के स्वीकृत अथवा इन्कार करने का अधिकार समिति के पास आरक्षित होगा।

10. अनुज्ञप्ति का रद्द करण.—कोई भी जो अनुज्ञप्ति की किसी भी शर्त का उल्लंघन करता है उसको अनुज्ञप्ति अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा रूकिए जाने के लिए दायित्वाधीन होगा, जिसके विरुद्ध अपील समिति की जा सकेगी।

11. माल भाड़ा प्रभार.—हथगाड़ी पर माल परिवहन के लिए दुलाई प्रभारत समय-समय पर समिति द्वारा नियत किया जाएगा और अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन के लिए बाध्य होगा।

12. इस प्रकार की नियत की गई दरें.—हथगाड़ी की फीस निम्नलिखित होगी जो अग्रिम रूप में देय होगी:—

(क) ढालपुर क्षेत्र तथा ढालपुर बस अड्डा	5 रु० प्रति दिन
(ख) सरकारी क्षेत्र	3 रु० प्रति दिन
(ग) आखाड़ा क्षेत्र	3 रु० प्रति दिन

13. उप-विधि के उल्लंघन पर शास्ति.—इन उप-विधियों में किसी भी उप-विधि का उल्लंघन जुर्माने से दण्डनीय होगा जोकि 200/- रुपये तक का हो सकेगा और जब उल्लंघन लगातार हो, तो अतिरिक्त जुर्माने से, जोकि प्रथम उल्लंघन के पश्चात् जिसके दौरान उल्लंघन जारी रहता है, प्रत्येक दिवस के लिए बीस रुपये तक हो सकेगा।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
मन्त्रि

[Authoritative English Text of this Government Notification No. LSG-A-(3)6/88, dated 22-5-90 is hereby published in the Rajpatra, Himachal Pradesh under Article 348 (3) of the Constitution of India for the general information of the public.]

LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 22nd May, 1990

No. LSG-A (3)6/88.—In exercise of the powers conferred by section 198(i) read with section 213 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 (Act No. 19 of 1968), the following bye laws, made by the Municipal Committee, Kullu, District Kullu and having been confirmed by the Governor, Himachal Pradesh as required under section 215 of the aforesaid Act are hereby published for general information and shall come into force within the area of the Municipal Committee, Kullu from the date of publication of this notification in the Rajpatra, (Extraordinary), Himachal Pradesh, namely:—

1. Short title.—These bye-laws may be called the Municipal Committee, Kullu Regulation of Hand Carts Employed for Transport or Hawking Articles for Sale Bye-laws, 1990.

2. Definitions.—In these bye-laws, unless the context otherwise requires,—

- (1) 'Act' means the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968;
- (2) 'Committee' means the Municipal Committee, Kullu;
- (3) 'Secretary' means the Secretary of the Municipal Committee, Kullu and
- (4) 'Hand Cart' means the hand cart bi-cycles or tri-cycle employed for transport or hawking articles for sale.

3. License to be obtained.—No person shall employ any hand cart for transport or hawking articles for sale within the municipal limits or which a licence has not been obtained from the Committee.

4. Right to prohibit Hand Cart.—Right to prohibit the use of any type of hand cart within any area of Committee shall be reserved with the Committee

5. Issue of Licence.—Licence for hand cart shall be issued by the Secretary of the Committee (hereinafter referred to as the licensing authority). While issuing the licence the Secretary of the Committee shall issue to the licensee a number plate which shall cost Rs. 3/-. The number plate shall be fixed at a conspicuous portion of the hand cart. On loss of number plate the licensee shall inform the Secretary to Committee forthwith and obtain a second plate by making payment of prescribed cost of Rs. 3/-.

Note.—Licence shall not be issued for a hand cart of more than 5' × 3' size.

6. Conditions of licence.—Licence issued under Bye-law No. 5 shall be subject to the following conditions:—

- (a) Hand cart for which license has been issued shall not be used without number plate. Number plate shall have to be fixed on the hand cart and shall not be defaced or made rough.
- (b) The license holder of any hand cart shall not keep the hand cart permanently at one place but he shall have to keep it moving from one place to other place.
- (c) The hand cart shall have to be kept neat and clean and in proper order to the satisfaction of licensing authority. The Incharge of the hand cart shall have also to keep himself neat and clean. No person shall be permitted to run the hand-cart until the medical officer declares him physically fit.
- (d) The food-articles kept on the hand cart for sale shall have to be kept in clean and covered pots/containers so as to keep the articles safe from flies etc.
- (e) The hand cart shall have to be taken to the Committee's office or any other place fixed for inspection when directed by the Inspecting Officer authorised by the Committee.
- (f) The hand cart shall not be allowed to ply without adequate light during the night hours.
- (g) The licensee shall have to abide by all the traffic rules and other orders issued by the licensing authority or the Committee.
- (h) The licensee shall have to keep the license with him while working on the cart and shall have to produce it on demand to the Secretary or members of the Committee or any other officer authorised by the Committee for inspection.
- (i) The hand cart used for carriage of goods shall not be allowed to be loaded with more than the weight prescribed by the Committee.

7. Renewal of licence.—Licence for renewal shall be deposited with the Committee office on or before 31st March every year.

8. *Transfer of Licence.*—(a) In case the licensed hand cart is transferred to any other person the licensee shall inform the Committee within one week's period where upon the particulars of transferee shall be recorded on the licence.

(b) Original licensee shall be responsible for all the conditions on licence until and unless the licence is transferred to the transferee of hand cart.

9. *Grant of limited number of licence.*—A limited number of hand carts shall be licensed in a year. Right of grant or refusal of licence shall be reserved with the Committee.

10. *Cancellation of Licence.*—Any licensee who commits a breach of the conditions of his licence, shall be liable to have such licence cancelled by the licensing authority against which appeal shall lie to the Committee.

11. *Freight Charges.*—The freight charges for the carriage of goods on hand carts shall be fixed by the Committee from time to time and the licensee shall be bound to abide by rates so fixed.

12. *Fee for licence.*—Fees of hand cart will be charged in advance as under:—

(a) Dhalpur area and Dhalpur Bus-stand	Rs. 5.00 per day.
(b) Sarwari area	Rs. 3.00 per day.
(c) Akhara Area	Rs. 3.00 per day.

13. *Penalty for breach of Bye-laws.*—Breach of any of these bye-laws shall be punishable with a fine which may extend to Rs. 200/- and when the breach is a continuing breach, with a further fine which may be twenty rupees for every day after the first breach during which it continues.

By order,
Sd/-
Secretary.

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 29th May, 1990

No. EXN-F (15) 1/87.—In exercise of the powers vested under section 12 (3) of the Himachal Pradesh Entertainment Duty Act, 1968 (Act No. 12 of 1968), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to grant exemption from entertainment duty for holding of Exhibition of Magic Shows by Samrat Shanker Magician in Ritz Video Hall at Shimla for a period of two weeks during the current Summer Season of 1990, under section 3 of the said Act in the public interest. 25% proceeds on this account would be donated by the said Magician towards Chief Minister's Relief Fund and Indian Red Cross Society.

By order,
S. S. Sidhu,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

TRANSPORT DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-2, the 31st May, 1990

No. 9-2/90-Tpt.—Please read 30th June, 1990 in place of 30th January, 1990 appearing in the 1st line of this Department's Notification of even number, dated 26-5-1990.

By order,
Sd/-
Commissioner-cum-Secretary.

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-2, the 6th June, 1990

No. EXN-F (15) 1/87.—In partial modification of this Department Notification of even number, dated the 29th May, 1990, the words "of net proceeds" instead of "proceeds" occurring in the 8th line of the aforesaid Notification, may be substituted.

By order,
S.S. SIDHU,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

